हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
मास्टर कूपन
13 जून 2026
कूपन नं.
2

खबर संक्षेप

ग्राम पंचायत सचिव भीचरण निलंबित

रायगढ़। ग्राम पंचायत मिरीगुड़ा के पंचायत सचिव भीचरण पटेल के खिलाफ पुलिस में आपराधिक मामला दर्ज होने के बाद सीईओ जिला पंचायत रायगढ़ द्वारा उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कार्यालय जिला पंचायत रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसारए पंचायत सचिव श्री पटेल के विरूद्ध थाना पुसौर में धारा 318,4 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जानकारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत धरमजयगढ़ एवं थाना पुसौर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर प्रशासन को मिली, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। जारी आदेश के अनुसारए छत्तीसगढ़ पंचायत सेवा अनुशासन एवं अपीलद्ध नियम 1999 के नियम 4 के तहत पंचायत सचिव भीचरण पटेल को निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता मिलेगा। प्रशासन ने निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जनपद पंचायत धरमजयगढ़ निर्धारित किया है। मामले की आगे की जांच एवं कानूनी प्रक्रिया जारी है।

धरमजयगढ़-कापू घाट में दर्दनाक सड़क हादसा

रायगढ़। धरमजयगढ़-कापू मुख्य मार्ग स्थित घाट क्षेत्र में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार कापू से धरमजयगढ़ की ओर आ रहा एक छोटा मालवाहक वाहन अचानक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि वाहन का ब्रेक फेल होने के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका, जिससे वाहन घाट क्षेत्र में हादसे का शिकार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दुर्घटना के समय वाहन में चालक सहित चार लोग सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। हादसे के बाद चालक वाहन के केबिन में बुरी तरह फंस गया। समाचार लिखे जाने तक उसे बाहर निकालने के प्रयास जारी थे। स्थानीय लोगों और प्रशासन की टीम द्वारा संयुक्त रूप से रेस्क्यू कार्य किया जा रहा है। अन्य घायलों को भी सहायता पहुंचाई जा रही है, हालांकि उनकी स्थिति को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के चलते घाट मार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

लैलूंगा का जवाफूल बन रहा किसानों की समृद्धि का जरिया

रायगढ़। कभी केवल स्थानीय स्तर पर पहचाना जाने वाला लैलूंगा का पारंपरिक जवाफूल धान अब किसानों की आय बढ़ाने वाला एक मजबूत ब्रांड बनकर उभर रहा है। इसकी बढ़ती मांग का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे क्षेत्रों के किसान स्वयं लैलूंगा पहुंचकर इसका बीज और चावल खरीद रहे हैं। हाल ही में खरसिया क्षेत्र से पहुंचे किसानों और ग्रामीणों ने जवाफूल चावल की सुगंध और गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि इसकी विशेष खुशबू ने उन्हें दोबारा लैलूंगा आने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने यहां से चावल के साथ.साथ बीज भी खरीदा, ताकि अपने क्षेत्र में इसकी खेती कर सकें। लैलूंगा के किसान चंद्रशेखर पटेल ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष चार एकड़ में जवाफूल धान की खेती की थीए जिससे लगभग 40 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ। वर्तमान में इस धान की मांग इतनी अधिक है कि उपलब्ध उत्पादन से सभी मांगों की पूर्ति कर पाना संभव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा उत्पादित जवाफूल धान और चावल रायगढ़, रायपुर, अंबिकापुर, रामानुजगंज, ओडिशा और मध्यप्रदेश सहित कई क्षेत्रों तक पहुंच चुका है।

सिलेंडर की किल्लत के बीच महिनों से निष्क्रिय खाते भी हुए एक्टिव, अचानक बढी डिमांड

उज्ज्वला योजना में बड़ा बदलाव, अब 9 की जगह सिर्फ 4 सिलेंडरों पर मिलेगी अतिरिक्त सब्सिडी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाली अतिरिक्त एलपीजी सब्सिडी के दायरे को सीमित कर दिया है। अब योजना के लाभार्थियों को साल में केवल 4 गैस सिलेंडरों पर ही 300 रुपये प्रति सिलेंडर की अतिरिक्त सब्सिडी मिलेगी। इससे पहले 9 सिलेंडरों पर सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा था।

सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी तथा कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। इसकी वजह से अब गरीब वर्ग के उपभोक्ता सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। मुख्य बात यह है कि इन सब के बीच जिले में महीनों से निष्क्रिय उज्ज्वला योजना के खाते अचानक एक्टिव हो गए हैं। हाल में ही सरकार ने आदेश जारी करते हुए नई व्यवस्था के तहत उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को पहले 4 सिलेंडरों पर 300 रुपये प्रति सिलेंडर की अतिरिक्त सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में भेजने का निर्णय लिया है। बता दें कि उज्ज्वला योजना की शुरुआत के बाद सरकार ने एलपीजी को किफायती बनाए रखने के लिए मई 2022 में इस 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी देने की शुरुआत की थी और इसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 300 रुपये प्रति सिलेंडर कर दिया था, जो लगातार लाभार्थियों को मिल रही हैं और एलपीजी सब्सिडी का यह पैसा हर रिफिल के बाद लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे जमा किया जाता है। वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत शुरुआत में लाभार्थियों को सालाना 12 रियायती सिलेंडर दिए जाते थे, जिनकी संख्या बीते साल घटाकर 9 कर दी गई थी और अब बड़ा फैसला लेते हुए इसे 4 एलपीजी सिलेंडर तक सीमित कर दिया गया है। मुख्य बात यह है कि यदि 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर लेने के बाद अगर कोई लाभार्थी 5 वां सिलेंडर बुक करता है तो उसे उस पर 300 रुपये की सब्सिडी नहीं मिलेगी, इस पर उसे मार्केट में तय पूरी कीमत पर सिलेंडर खरीदना होगा। जानकारी के अनुसार जिले में उज्ज्वला योजना के करीब 2 लाख 30 हजार लाभार्थी हैं। विभागीय सूत्र बताते हैं कि बीते कई महिनों से उज्ज्वला योजना के आधे से अधिक लाभार्थी के खाते निष्क्रिय हो गए थे, यानी वे इस योजना के तहत मिलने वाले सिलेण्डर का उठाव ना के बराबर करते थे। किंतु बीते कुछ समय से जारी सिलेंडर की किल्लत के बीच अचानक से सभी निष्क्रिय खाते ना सिर्फ एक्टिव हुए हैं, बल्कि अब इनमें लगातार उठाव भी हो रहा है। आलम यह है कि कई लोग अपने निष्क्रिय पडे खातों को एक्टिव कराने के लिए गैस एजेंसी तक दौड लगा रहे हैं। ऐसे में जिला प्रशासन के समक्ष यह भी बडा सवाल खडा हो गया है कि आखिरकार इतने महिनों तक उज्ज्वला योजना के यह लाभार्थी निष्क्रिय क्यों थे और अब अचानक से इनके खाते फिर एक्टिव क्यों हुए।

गरीब परिवारों पर पड़ेगा असर

बता दें कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की शुरुआत मई 2016 में हुई थी. इसके पीछे का मकसद गरीब परिवारों की महिलाओं को फ्री एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराना और उन्हें साफ-सुथरे ईंधन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना था। फिलहाल जिले में राज्य सरकार की ओर से इस संबंध में कोई लिखित आदेश नहीं मिला है, लेकिन विभागीय अधिकारियों को भी इस संबंध में जानकारी मिली है। हालांकि सरकार का कहना है कि करोड़ों गरीब परिवारों को अब भी रियायती दरों पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है, लेकिन साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडरों की सीमा तय होने से कई परिवारों के घरेलू बजट पर असर पड़ सकता है। विशेष रूप से उन परिवारों को अधिक परेशानी हो सकती है जो पूरी तरह एलपीजी पर निर्भर हैं।

वार्षिक सहायता भी घटी

मुख्य बात यह है कि अब इस ताजा बदलाव के बाद प्रति लाभार्थी वार्षिक सहायता की अधिकतम सीमा 1,200 रुपये हो गई है. लाभार्थियों पर असर की बात करें, तो अब तक 300 रुपये की सब्सिडी के साथ 9 एलपीजी सिलेंडर पर उन्हें सालाना 2700 रुपये की मदद मिलती थी, लेकिन अब इसमें एक झटके में 1500 रुपये की कमी कर दी गई है। ऐसी स्थिति में इस योजना के तहत लाभार्थियों को मिलने वाली वार्षिक आर्थिक सहायता भी घट गई है।

इस संबंध में वर्तमान में शासन की ओर से कोई लिखित आदेश प्राप्त नहीं हो सका है। आदेश आने के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

राबिया खान
सहायक खाद्य अधिकारी, रायगढ़

रायगढ़ में ऑरेंज अलर्ट जारी

रायगढ़। जिले में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के छत्तीसगढ़ के करीब पहुंचने और प्री-मानसून गतिविधियों के तेज होने के बीच भारतीय मौसम विभाग ने रायगढ़ जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने शुक्रवार को जिले में तेज बारिश, गरज-चमक और 50 से 60 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के 17 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, जिनमें रायगढ़ भी शामिल है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों के दौरान मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं, जिससे जिले में बारिश की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं। पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बीच हुई बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और लोगों को राहत मिली है। हालांकि मौसम विभाग ने तेज हवाओं और आकाशीय बिजली को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। संभावित खराब मौसम को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। तेज हवा और बारिश के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों तथा कमजोर संरचनाओं के आसपास खड़े होने से बचने की सलाह दी गई है।

देह व्यापार का भंडाफोड़ 4 युवतियां व 2 दलाल हिरासत में

रायगढ़। शहर के चक्रधर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटे अतरमुड़ा स्थित टीवी टावर इलाके में चल रहे कथित देह व्यापार के एक अड्डे पर गुरुवार देर शाम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार युवतियों और दो दलालों को हिरासत में लिया है। चक्रधर नगर पुलिस और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने किराये के मकान में दबिश देकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

मिली जानकारी के अनुसार छोटे अतरमुड़ा स्थित साईं मंगलम रोड के किनारे एक किराये के मकान में लंबे समय से देह व्यापार संचालित होने की सूचना मिल रही थी। जिसके बाद पुलिस की विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा और डीएसपी ट्रैफिक उत्तम प्रताप सिंह के नेतृत्व में थाना चक्रधरनगर एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की योजना बनाई। पुलिस ने सूचना के सत्यापन और पर्याप्त साक्ष्य जुटाने के लिए एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर संबंधित मकान में भेजा। पाइंटर द्वारा तय संकेत मिलने के बाद पुलिस टीम ने तत्काल मकान पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान मकान के बाहर दरवाजे के पास बैठी महिला से पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम बताते हुए निवास संण्डा थाना बरमकेला बताया। वर्तमान में वह छोटे अतरमुड़ा स्थित उक्त मकान में किराये से रह रही थी। छापेमारी के दौरान मकान के एक कमरे में नेहरू चौहान 37 वर्ष निवासी छित्तपटेरा, थाना डोंगरीपाली एक महिला के साथ आपत्तिजनक स्थिति में मिला। वहीं दूसरे कमरे में मीर रविउल 34 वर्ष निवासी गोहिरा, थाना बेलदा, जिला पश्चिम मेदिनीपुर पश्चिम बंगाल, हाल मुकाम चिड़रापारा, थाना पत्थलगांव दो महिलाओं के साथ मौजूद मिला। कार्रवाई के दौरान कुल तीन युवतियों को मौके से बरामद किया गया। महिला पुलिसकर्मियों द्वारा कमरों की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई। इसके अलावा पाइंटर द्वारा सौदे के लिए दिए गए 2 हजार 500 रुपये नकद भी महिला दलाल के कब्जे से जब्त किए गए। पुलिस पूछताछ में महिला ने स्वीकार किया कि उसने मकान किराये पर लेकर आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से देह व्यापार का संचालन किया था। इसके बाद पुलिस ने उसे तथा दोनों ग्राहकों को गिरफ्तार कर लिया।

विवाहित महिला से 35 लाख की उगाही और वर्षों तक दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। पुलिस ने एक विवाहित महिला के साथ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और लाखों रूपए की ठगी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। महिला थाना में दर्ज शिकायत के अनुसार आरोपी ने सोशल मीडिया के माध्यम से दोबारा संपर्क स्थापित कर महिला का अश्लील वीडियो बना लिया और उसे वायरल करने की धमकी देकर वर्षों तक शारीरिक एवं आर्थिक शोषण करता रहा। मिली जानकारी के अनुसार कोतरारोड़ थाना क्षेत्र की 33 वर्षीय महिला ने महिला थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का रहने वाले अनिल ईजारदार 32 वर्ष ने उसके साथ दुष्कर्म किया, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया और उससे लाखों रुपये की अवैध वसूली की। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह आरोपी अनिल ईजारदार को हाईस्कूल के समय से जानती थी। उस दौरान दोनों के बीच सामान्य बातचीत होती थी। वर्ष 2013 में उसकी शादी अन्य व्यक्ति के साथ हो गई और संपर्क समाप्त हो गया।

निगम की संपत्तियों पर अतिक्रमण और लावारिस शवों की व्यवस्था को लेकर नेता प्रतिपक्ष का ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

कब्जाधारियों ने शौचालय को किया क्षतिग्रस्त वार्डवासियों की शिकायत के बाद भी ठोस कार्रवाई नहीं

नगर निगम की संपत्तियों पर हो रहे अतिक्रमण और लावारिस शवों के दफन की व्यवस्था को लेकर नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष सलीम नियारिया ने निगम आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने वार्ड क्रमांक-8 चांदमारी स्थित सार्वजनिक शौचालय पर कब्जे और लावारिस शवों के सम्मानजनक अंतिम संस्कार की व्यवस्था का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में बताया गया है कि चांदमारी क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक शौचालय को तोड़कर उस पर अवैध कब्जा किया जा रहा है। इस संबंध में 4 जून को नगर निगम को शिकायत दी गई थी, जिसके बाद निगम कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवा दिया था। लेकिन बाद में कब्जाधारियों ने दोबारा शौचालय को क्षतिग्रस्त कर दिया। स्थानीय रहवासियों की शिकायतों के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने पर नेता प्रतिपक्ष ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि एक ओर नगर निगम स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन का दावा करता है, वहीं दूसरी ओर उसकी सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यदि निगम अपनी ही संपत्तियों की सुरक्षा नहीं कर पा रहा है तो भविष्य में अन्य शासकीय भूमि और परिसंपत्तियों पर भी अवैध कब्जों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कर सार्वजनिक शौचालय को पुनः सुरक्षित कराने की मांग की है।

अलग भूमि और बाउंड्रीवॉल की मांग

नेता प्रतिपक्ष ने लावारिस शवों के अंतिम संस्कार अथवा दफन के लिए रामपुर या किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर अलग से भूमि चिन्हित किए जाने, वहां सुरक्षा के लिए बाउंड्रीवॉल का निर्माण किए जाने तथा शवों की फोटो और पहचान संबंधी जानकारी सुरक्षित रखने, साथ ही नियमानुसार अंतिम संस्कार और दफन की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने की मांग की है। ताकि मृतकों की गरिमा बनी रहे और भविष्य में पहचान होने पर परिजनों को सम्मानजनक तरीके से जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने नगर निगम प्रशासन से दोनों मामलों में शीघ्र कार्रवाई कर शहर की सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा और मानवीय व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

लावारिस शवों के दफन की व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

ज्ञापन में लावारिस शवों के दफन की मौजूदा व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त की गई है। सलीम नियारिया ने बताया कि रामपुर स्थित पुराने ट्रेंचिंग ग्राउंड में लावारिस शवों को पर्याप्त गहराई के बिना दफनाया जाता है, जिससे आवारा पशुओं द्वारा शवों को नुकसान पहुंचने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में बाद में शवों की पहचान होने पर परिजनों को कचरा निस्तारण स्थल के आसपास अपने स्वजनों के शवों की तलाश करनी पड़ती है, जो अत्यंत पीड़ादायक और अमानवीय स्थिति है।

दुर्घटना ने रोके पहिए, 7 किलोमीटर लंबा जाम बना मुसीबत

रायगढ़। 18 नाला और नया केलो डैम के पास हुए सड़क हादसे के बाद रायगढ़ का प्रमुख औद्योगिक मार्ग घंटों तक जाम की चपेट में रहा। दोपहर करीब 12 बजे हुई दुर्घटना के बाद शुरू हुआ जाम देखते ही देखते 7 किलोमीटर तक फैल गया और अब इसका असर शहर की सीमा एवं अंदरूनी सड़कों तक पहुंच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, 18 नाला के समीप नए केलो डैम क्षेत्र में हुई दुर्घटना के बाद मार्ग पर वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई। बता दें कि यह सड़क जिले के औद्योगिक क्षेत्रों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, जहां दिनभर ट्रेलर, ट्रक और अन्य भारी वाहनों का आवागमन बना रहता है। दुर्घटना के बाद वाहनों के पहिए थम गए और सड़क के दोनों ओर भारी वाहनों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। समय बीतने के साथ जाम की स्थिति और गंभीर होती गई। शाम तक करीब 7 किलोमीटर लंबी वाहनों की लाइन लग गई, जिसमें सैकड़ों ट्रक, ट्रेलर, यात्री बसें और निजी वाहन फंस गए। जाम का दबाव बढ़ने से शहर के भीतर आने-जाने वाले मार्ग भी प्रभावित होने लगे, जिससे सामान्य यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। इस जाम में फंसे यात्रियों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। चिलचिलाती धूप में घंटों तक सड़क पर फंसे रहने से लोगों का हाल बेहाल हो गया। कई बसों में सफर कर रहे यात्रियों को पानी और अन्य आवश्यक सुविधाओं के लिए भी परेशानी झेलनी पड़ी।

दो साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

साथियों को मिल चुकी है 10 साल की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

हत्या के प्रयास के मामले में लगभग दो वर्ष से फरार चल रहे आरोपी संदीप सिंह उर्फ सन्नी सरदार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की गिरफ्त से बाहर था और अपने अन्य साथियों को सजा मिलने के बाद लगातार ठिकाने बदलकर फरारी काट रहा था। कोतवाली पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार आरोपी संदीप सिंह उर्फ सन्नी सरदार पिता गुरदीप सिंह, मूल निवासी जिला अमृतसर तथा वर्तमान में रेलवे कॉलोनी रायगढ़ में रह रहा था। उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में मामला दर्ज था। फरार रहने के कारण पुलिस ने उसके विरुद्ध पहले ही फरारी में चालान पेश कर दिया था। यह मामला 7 दिसंबर 2024 की रात का है। साहिल ठाकुर अपने दोस्तों अनुज गुप्ता, आकिब खान और संगम देहरी के साथ पोस्ट ऑफिस के पीछे स्थित जिम के सामने आग ताप रहा था। इसी दौरान स्विफ्ट डिजायर कार में सवार जसदेव सिंह उर्फ जस्सू, संदीप सिंह उर्फ सन्नी सरदार, सोनी पाण्डेय, राज कर्क, अर्जुन पटेल, राजवीर सरदार तथा उनके अन्य साथी वहां पहुंचे। जिसके बाद सभी ने मिलकर साहिल ठाकुर के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और उसके बाद लोहे की रॉड, डंडों और अन्य हथियारों से उस पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में साहिल ठाकुर के सिर, चेहरे, जबड़े, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं। मारपीट इतनी बेरहमी से की गई कि उसका दांत टूट गया और जबड़ा भी क्षतिग्रस्त हो गया। हमलावर उसे मृत समझकर मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान बीच-बचाव करने पहुंचे अमन सिंह ठाकुर को भी आरोपियों ने नहीं छोड़ा और लोहे की रॉड से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। गंभीर रूप से घायल साहिल ठाकुर को पहले जिला अस्पताल रायगढ़ ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे मेडिकल कॉलेज, जिंदल अस्पताल और अपेक्स अस्पताल होते हुए रायपुर के बालाजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसका उपचार हुआ। अमन सिंह ठाकुर की शिकायत पर सिटी कोतवाली में अपराध दर्ज कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। पुलिस के मुताबिक साथियों को सजा मिलने के बाद संदीप सिंह उर्फ सन्नी सरदार गिरफ्तारी के डर से लगातार फरार चल रहा था।

इसमें 329 बोरी यूरिया और 300 बोरी डीएपी है शामिल

सचिव के निजी गोदाम में रखा 629 बोरी खाद जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

खरसिया ब्लॉक के हालाहुली सहकारी समिति में खाद को लेकर एक बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। यहां के समिति प्रबंधक रोहित कुमार राठौर ने पंचायत सचिव मुकेश कुमार गबेल के निजी गोदाम में 629 बोरी खाद रखा था। इसका कोई हिसाब ही नहीं था। पीओएस मशीन और स्टॉक के हिसाब से तो हालाहुली सहकारी समिति में खाद की मात्रा एकदम सही था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि 629 बोरी खाद कहां से और कैसे आया। इसका खुलासा तब हुआ जब जांच टीम वहां पहुंची। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ऐसा करना नियमों के विपरीत है। टीम जब जांच करके निकल रही थी तब किसी ने बताया कि खाद का भंडारण निर्धारित समिति परिसरों के अतिरिक्त एक निजी गोदाम में भी किया गया था। नियमों और निर्देशों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए, समिति प्रबंधक रोहित कुमार राठौर द्वारा ग्राम सचिव मुकेश कुमार गबेल के निजी गोदाम में जो समिति से लगभग 50 मीटर की दूरी पर स्थित है खाद छिपाकर रखी गई थी। दिलचस्प बात यह है कि अभी डीएपी खाद को लेकर जहां मारामारी मची है और सरकार इसे कंट्रोल करने की कोशिश कर रही हैए ऐसी स्थिति में सरकारी कर्मचारी के निजी गोदाम में 629 बोरी यूरिया और डीएपी खाद भंडारित होना ही अपने आप में गड़बड़ी की ओर इशारा कर रहा है।

खास बात

- राजस्व और कृषि विभाग के अधिकारियों ने किया जब्त

ऐसे भंडारित था अवैधानिक तरीके से खाद

जांच टीम जब वहां पहुंची तो नजारा देख कर आश्चर्य चकित हो गए। वहां खाद का जखीरा जमा था। इसमें डीएपी खाद करीब 329 बोरी और यूरिया खाद लगभग 300 बोरी जमा था। निजी गोदाम में भंडारित 629 बोरी खाद को संयुक्त टीम द्वारा जब्त कर लिया गया है। जब्त खाद को आगामी वैधानिक कार्रवाई तक समिति प्रबंधक रोहित कुमार राठौर की सुपुर्दगी में सौंप दिया गया है। इस महत्वपूर्ण संयुक्त कार्रवाई में तहसीलदार संदीप सिंह राजपूत, उर्वरक निरीक्षक जन्मेजय पटेल, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी नीलाम्बर प्रसाद सिदार, हल्का पटवारी, कोटवार ब्रिजेंद्र सिदार, भवानी सिंह सिदार और दुर्गा चरण सहित राजस्व व कृषि विभाग के अधिकारी.कर्मचारी मुख्य रूप से शामिल रहे।

खबर संक्षेप

डिप्लोमा प्रवेश के लिए पंजीयन 15 तक

जशपुरनगर। सत्र 2026-27 में छत्तीसगढ़ राज्य की पॉलीटेक्निक संस्थाओं के डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन काउंसिलिंग की पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। सीजीआईटी जशपुर, पूर्व में शासकीय पॉलीटेक्निक जशपुर में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन ब्रांच संचालित हैं। प्रत्येक ब्रांच में 30-30 सीटें उपलब्ध हैं। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रवेश हेतु पंजीयन तिथि का निर्धारण किया गया है। इनमें प्रथम चरण का रजिस्ट्रेशन 11 से 15 जून तक है। इसी प्रकार मेरिट सूची 16 जून को जारी होगी और दावा आपत्ति 17 जून 2026 तक ली जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया 20 जून से 24 जून तक चलेगी।

टास्क फोर्स समिति की बैठक 15 को

जशपुरनगर। राज्य शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस पल्स पोलियो अभियान 2026 का आयोजन 28 जून को किया जाएगा। इसके अंतर्गत शून्य से 5 वर्ष के बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाया जाएगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन, सुपरविजन एवं मॉनिटरिंग हेतु गठित जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में 15 जून 2026 को आयोजित की गई है। बैठक में समिति के सदस्य विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगण शामिल होंगे।

हृदय रोग जांच शिविर 15 को

जशपुरनगर। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु अंतर्गत 0 से 18 वर्ष आयु वर्ग के हृदय रोग से चिन्हांकित बच्चों के लिए एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं इकोकार्डियोग्राफी जांच विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा की जाएगी। शिविर का आयोजन 15 जून को जिला चिकित्सालय जशपुर में प्रातः 9 बजे से अपराह्न 4 बजे तक किया जाएगा। शिविर में श्री सत्य साई संजीवनी हॉस्पिटल नया रायपुर की विशेषज्ञ टीम बच्चों का परीक्षण करेगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग जिला जशपुर ने हृदय रोग से प्रभावित बच्चों एवं उनके अभिभावकों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

छात्रवृत्ति आवेदन की अंतिम तिथि 30 तक बढ़ी

जशपुरनगर। संस्कृति विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित अर्थाभावग्रस्त होनहार युवा कलाकारों एवं छात्रों के लिए छात्रवृत्ति योजना-2021 के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। विभाग द्वारा पूर्व में निर्धारित अंतिम तिथि 20 मार्च को बढ़ाकर अब 30 जून 2026 कर दिया गया है। योजना के तहत गुरू-शिष्य परंपरा के अंतर्गत पिछले 6 माह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पात्र युवा कलाकारों एवं छात्रों की प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं। नियमावली अनुसार ऐसे दो प्रशिक्षार्थियों की प्रविष्टियां जिलाध्यक्ष की अनुशंसा से एवं स्कूल शिक्षा अथवा उच्च शिक्षा के अध्ययन के लिए संस्था प्रमुख की अनुशंसा अनिवार्य होगी।

जिले में अब तक 43.8 मिमी औसत वर्षा

जशपुरनगर। जिले में 1 जून से अब तक 198.5 मिमी औसत वर्षा हो चुकी है। जिले में बीते 10 वर्षों की तुलना में 12 जून तक सामान्य औसत वर्षा 221.0 मिमी हुई है। बीते दिवस जिले में 43.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक तहसीलवार वर्षा इस प्रकार हैः तहसील जशपुर में 8.2 मिमी, मनोरा में 32.3 मिमी, कुनकुरी में 40.6 मिमी, दुलदुला में 7.7 मिमी, फरसाबहार में 18.4 मिमी, बगीचा में 15.7 मिमी, कांसाबेल में 44.8 मिमी, पत्थलगांव में 19.5 मिमी, सन्ना में 11.3 मिमी एवं बागबहार में 0.0 मिमी वर्षा हो चुकी है। सर्वाधिक वर्षा कांसाबेल तहसील में 44.8 मिमी दर्ज की गई है। 12 जून को सर्वाधिक कुनकुरी में 22.4 मिमी वर्षा हुई।

समर कैंप में बच्चे सीख रहे हैं 'कबाड़ से जुगाड़'

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

पीएम श्री प्राथमिक शाला बघिमा में 5 से 14 जून तक 10 दिवसीय समर कैंप के अंतर्गत बच्चों को रचनात्मक एवं व्यावहारिक शिक्षा प्रदान की जा रही है।

कैंप में विद्यार्थी उत्साहपूर्वक ₹कबाड़ से जुगाड़₹ गतिविधि के माध्यम से अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं आकर्षक सामग्री बनाना सीख रहे हैं। इससे बच्चों में सृजनात्मकता, नवाचार तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित हो रही है। समर कैंप में बच्चों को रंगोली, चित्रकला, योग, बागवानी तथा खेलकूद जैसी विविध गतिविधियों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। रंगोली एवं चित्रकला के माध्यम से बच्चों की कलात्मक प्रतिभा को निखारा जा रहा है, वहीं योग द्वारा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाने का प्रयास किया जा रहा है। बच्चों को सामान्य ज्ञान के साथ क्विज प्रतियोगिता भी कराया जा रहा। बागवानी गतिविधि के अंतर्गत विद्यार्थियों को पौधों की देखभाल, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी जा रही है। खेलकूद गतिविधियों से बच्चों में अनुशासन, टीम भावना एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित हो रही है। उसके साथ ही बच्चों को कहानी, कविता एवं प्रेरणादाई गीत भी सिखाई जा रही है। सामाजिक जागरूकता के तहत बच्चों को तकनीकी का उपयोग, सोशल मीडिया का उचित प्रभाव एवं इसके उचित उपयोग के बारे में नाटक द्वारा बताया गया। विद्यालय में प्रशिक्षण दे रहे शिक्षक रवि गुप्ता ने बताया कि समर कैंप का उद्देश्य बच्चों की छुट्टियों को रचनात्मक, ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक बनाना है, ताकि वे नई-नई कौशल सीखते हुए अपने सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर हो सकें। कैंप में सुरेश खलखो, शशि साहू,तारिका बुनकर, रंजिता सारंगी, मनोहर टोप्पो विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण दे रहे है।

■ योग, जुंबा डांस, बागवानी, रंगोली, नाटक एवं चित्रकला भी सिखाए जा रहे

जिले में 18 से लगेंगे वृहद पंजीकरण शिविर

कलेक्टर श्री व्यास ने शिविर के सुचारू संचालन के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 18 जून से 20 जून तक तीन दिवसीय वृहद पंजीकरण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन एवं लाभ वितरण किया जाएगा।

इनमें आयुष्मान भारत योजना, आयुष्मान वय वंदना योजना, पीएम सूर्यघर योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, विभिन्न पेंशन योजनाएं सहित अन्य केंद्र एवं राज्य शासन की प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इस संबंध में कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों एवं अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। जारी निर्देशानुसार जिले के सभी राजस्व अनुभागों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को शिविर का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जो शिविर के सफल संचालन एवं समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे। कलेक्टर श्री व्यास ने निर्देश दिए हैं कि शिविर आयोजन से पूर्व ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए मुनादी, कोटवारों के माध्यम से सूचना प्रसारित करने कहा गया है, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों तक जानकारी पहुंच सके और वे शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि वे अपने विभाग से संबंधित योजनाओं के पात्र हितग्राहियों का अधिक से अधिक पंजीयन सुनिश्चित करें तथा उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि यह अभियान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और पात्र नागरिकों को योजनाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर है। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे 18 से 20 जून तक आयोजित होने वाले इन विशेष शिविरों में पहुंचकर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें तथा पात्रता अनुसार पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ उठाएं।

■ केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर योजनाओं से लाभान्वित करने चलेगा विशेष

सरगुजा संभागायुक्त ने किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ का प्रथम संभागीय पोर्टल लॉन्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

सरगुजा संभाग की आधिकारिक वेबसाइट का सरगुजा सम्भागायुक्त नरेन्द्र कुमार दुग्गा ने किया शुभारंभ छत्तीसगढ़ में डिजिटल प्रशासन और नागरिक सेवाओं के क्षेत्र में एक नया अध्याय जुड़ गया है। सरगुजा सम्भागायुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने शुक्रवार को सरगुजा संभाग की आधिकारिक वेबसाइट का विधिवत शुभारंभ किया। यह छत्तीसगढ़ राज्य के किसी भी संभाग की पहली आधिकारिक संभागीय वेबसाइट है। जो नागरिकों, पर्यटकों तथा विभिन्न हितधारकों को एकीकृत डिजिटल मंच उपलब्ध कराएगी। वेबसाइट का डिजाइन, डेवलपमेंट एवं तकनीकी सहयोग राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र सरगुजा द्वारा प्रदान किया गया है।

यह पोर्टल फ्रेमवर्क पर आधारित है तथा इसकी होस्टिंग एनआईसी के नेशनल डाटा सेंटर्स में की गई है। इससे वेबसाइट को ऑटोमेटेड पैच, आसान साइबर सुरक्षा, सुरक्षा ऑडिट जैसी सुविधाएं प्राप्त होंगी। वेबसाइट को पूरी तरह रिस्पॉन्सिव बनाया गया है, जिससे यह मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर सहित सभी प्रकार के उपकरणों पर सहजता से संचालित होगी। वर्तमान में यह हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है।

नागरिकों और पर्यटकों को मिलेंगे अनेक लाभ

इस पोर्टल के माध्यम से सरगुजा संभाग की प्रशासनिक संरचना, इतिहास, प्रोफाइल, अधिकारियों की संपर्क सूची तथा सभी जिलों की महत्वपूर्ण जानकारियां एक ही मंच पर उपलब्ध होंगी। पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरगुजा संभाग के विभिन्न जिलों के प्रमुख पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक धरोहरों और क्षेत्रीय महोत्सवों की विस्तृत जानकारी भी वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा नागरिक अब पोर्टल के माध्यम से सीधे नामांतरण, राजस्व न्यायालय आवेदन तथा डायवर्जन जैसी महत्वपूर्ण ऑनलाइन राजस्व सेवाओं तक पहुंच सकेंगे। पोर्टल पर कार्यालय के नोटिस, निविदाएं, अधिसूचनाएं, परिपत्र और अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं समय-समय पर प्रकाशित की जाएंगी। नागरिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए वेबसाइट में फीडबैक फॉर्म, मीडिया कॉर्नर, फोटो गैलरी और वीडियो गैलरी जैसी सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं।

संभागीय आयुक्त ने जताया आभार

शुभारंभ अवसर पर संभागीय आयुक्त नरेंद्र कुमार दुग्गा ने सरगुजा संभाग के सभी जिला कलेक्टरों तथा एनआईसी टीम का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी जिलों द्वारा सक्रिय डाटा साझाकरण तथा एनआईसी की टीम की कड़ी मेहनत के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ राज्य का पहला संभागीय पोर्टल साकार हो सका है। उन्होंने कहा कि यह वेबसाइट प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाएगी तथा डिजिटल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। शुभारंभ अवसर में उपायुक्त आरके खुंटे तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्भाग के समस्त जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदी परिषद की अनिता बनीं अध्यक्ष

जशपुरनगर। विश्व हिंदी परिषद की छत्तीसगढ़ प्रांतीय इकाई का संगठनात्मक विस्तार करते हुए जशपुर जिले की वरिष्ठ साहित्यकार, शिक्षिका एवं समाजसेविका अनिता गुप्ता को सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति से जिले के साहित्यिक एवं सामाजिक क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। विश्व हिंदी परिषद का उद्देश्य हिंदी भाषा को केवल संवाद का माध्यम न मानकर उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय अस्मिता और सामाजिक समरसता का सशक्त आधार बनाना है। परिषद नई पीढ़ी में भारतीय मूल्यों के संवर्धन, शोधपरक साहित्य के विकास तथा हिंदी के माध्यम से भाषाई और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यह संगठनात्मक विस्तार राष्ट्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। परिषद के राष्ट्रीय महासचिव विपिन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष देवी प्रसाद मिश्र के नेतृत्व और दूरदर्शी सोच से संगठन निरंतर विस्तार कर रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ में प्रदेश संयोजक डॉ.विनय कुमार पाठक के बौद्धिक मार्गदर्शन तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संगीता बनाफ़र के सक्रिय नेतृत्व में परिषद साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। सरगुजा संभाग मंग संभागीय संयोजक डॉ. सपन सिन्हा के मार्गदर्शन में संगठन की गतिविधियों को नई गति मिली है।

परिजन के लिए 4-4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

जशपुरनगर। छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा एवं नैसर्गिक विपत्तियों से होने वाली जनहानि पर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी के तहत प्राकृतिक आपदाओं में हुई मृत्यु के 2 प्रकरणों में कलेक्टर रोहित व्यास द्वारा कुल 8 लाख रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अपर कलेक्टर प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील सन्ना के ग्राम कामारिमा निवासी जयकुमार राम की मधुमक्खी के काटने से मृत्यु हो जाने के कारण उनकी पत्नी दिलमैत बाई को कुल 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार तहसील पत्थलगांव अंतर्गत ग्राम बालाझर निवासी फगनीबाई की नाला के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर उनके पुत्र अगस्तुस खलखो, अजय खलखो एवं अनिमा खलखो को कुल 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा प्राकृतिक आपदा के प्रकरणों में प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत प्रदान करने हेतु सभी आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण की जा रही है।

फरसाबहार विकासखंड के विद्यालयों में चला स्वच्छता अभियान

जशपुरनगर। जिला कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर विकासखंड फरसाबहार में विकासखंड शिक्षा अधिकारी दुर्गेश देवांगन के मार्गदर्शन में आज 12 ग्राम पंचायत की शालाओं में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमें ग्राम पंचायत केरसई , सिंगीबहार, खारीबहार, लावाकेरा, फरसाबहार, कोहपानी, घुमरा, सुंडरू जामबहार, बांसाघल ,तूबा एवं बनगांव में लगाया गया। उक्त अभियान के तहत ग्राम पंचायत के सभी स्कूलों में जाकर श्रमदान कार्य एवं विद्यालय की साफ सफाई की गई। जिसमें समस्त शिक्षक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इसके साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधि जिसमें सरपंच ,उप सरपंच एवं जनपद सदस्य शामिल हुए साथ ही पालकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इसी तरह विकासखंड में स्वच्छता अभियान संकुल केंद्र फरसाबहार में प्रभारी मिथिलेश साय पैंकरा मुख्य कार्यपालन अधिकारी फरसाबहार, श्रीमती निलिमा खलखो (सरपंच) जनप्रतिनिधि गण , एवं हेमंत कुमार निकुंज ,(संकुल प्राचार्य) ,प्रदीप कुजूर (प्राचार्य सेजस आत्मानंद) निवास नायक (संकुल प्रभारी) एवं शिक्षक, शिक्षिकाएं समस्त कर्मचारी पालक गण उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया गया।

किसानों ने 9 सूत्रीय मांगों को लेकर घेरा कलेक्टोरेट

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुरनगर

जिले में किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आया। खरीफ सीजन के ठीक पहले खाद, बीज और डीजल की किल्लत से परेशान किसानों ने, किसान कांग्रेस के बैनर तले कलेक्ट्रेट का घेराव कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। किसान कांग्रेस प्रभारी दीपक मिश्रा के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में किसानों ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि यदि खेती-किसानी से जुड़े बुनियादी मुद्दों का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा।

कलेक्ट्रेट पहुंचे किसानों के हाथों में तख्तियां थीं और उनके नारों में सरकार की कृषि नीतियों के प्रति नाराजगी साफ दिखाई दे रही थी। किसानों का कहना था कि एक तरफ सरकार किसानों की आय बढ़ाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर खेतों में बोवनी का समय आने पर किसान खाद के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। प्रदर्शन के दौरान किसान नेताओं ने कहा कि प्रदेश का अन्नदाता आज सबसे अधिक उपेक्षित वर्ग बन गया है। सुबह से लेकर शाम तक किसान सोसायटियों और दुकानों के बाहर लाइन में खड़ा रहता है, लेकिन जरूरत के मुताबिक खाद नहीं मिल रही।

पानी की तलाश में तालाब पहुंचा चीतलों का झुंडकुत्तों के हमले में बिछड़ा शावक

रायगढ़। भीषण गर्मी की वजह से पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकल रहे वन्यजीवों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। गुरुवार को रायगढ़ वन क्षेत्र में चीतलों के एक झुंड पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया, जिससे एक चीतल का शावक अपने झुंड से बिछड़ गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर शावक का रेस्क्यू किया और स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे सुरक्षित रूप से जंगल में छोड़ दिया।

जानकारी के अनुसार गुरुवार को बोइरदादर के जंगल से चीतलों का एक झुंड पानी पीने के लिए कृषि विश्वविद्यालय के पास स्थित तालाब में पहुंचा था। भीषण गर्मी और जलस्त्रोतों के सूखने के कारण वन्यजीव इन दिनों पानी की तलाश में जंगलों से बाहर निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों और तालाबों की ओर पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में चीतलों का यह झुंड भी तालाब तक पहुंचा था। बताया जा रहा है कि झुंड में एक चीतल शावक भी शामिल था। जैसे ही चीतल पानी पीने के लिए तालाब के आसपास पहुंचे, वहां मौजूद कुछ आवारा कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से घबराकर चीतलों का पूरा झुंड जंगल की ओर भाग निकला, लेकिन शावक पीछे छूट गया और अपने समूह से अलग हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों की नजर शावक पर पड़ी। उन्होंने तुरंत वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही वन अमला मौके पर पहुंचा और सावधानीपूर्वक चीतल के शावक को सुरक्षित अपने कब्जे में लिया। इसके बाद उसे इंदिरा विहार लाया गया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। वन विभाग ने लोगों से भी अपील की है कि यदि किसी वन्यजीव के घायल होने या जंगल से भटककर आबादी वाले क्षेत्र में पहुंचने की सूचना मिले तो तुरंत विभाग को जानकारी दें, ताकि समय रहते उसका संरक्षण और सुरक्षित बचाव किया जा सके। डीएफओ अरविंद पीएम ने बताया कि गश्त के दौरान वनकर्मियों को घटना की जानकारी मिली थी। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और चीतल के शावक का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में वन्य प्राणी अक्सर पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकल आते हैं, इसलिए जलस्त्रोतों और वन क्षेत्र से लगे इलाकों में लगातार निगरानी रखी जा रही है।

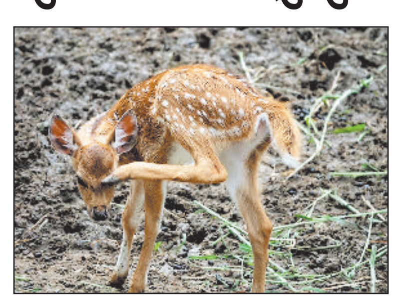

पूर्व सिटी कोतवाली टीआई की भूमिका जांच के घेरे में, एसएसपी ने दिखाई सख्ती

सहारा कांड में बड़ा खुलासाः कुर्की के बीच खुले सीज खाते, करोड़ों की रकम निकालने का आरोप

रायगढ़। सहारा इंडिया में अपनी जीवनभर की कमाई फंसा चुके हजारों निवेशकों के लिए एक और चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। आरोप है कि सहारा के पूर्व ब्रांच मैनेजर ओमप्रकाश शर्मा के खिलाफ कुर्की और अन्य मामलों की सुनवाई चल रही थी, इसी दौरान उनके सीज बैंक खातों को खुलवा दिया गया। निवेशकों का दावा है कि खातों के अनसीज होते ही उनमें जमा रकम निकाल ली गई, जिससे कुर्की के जरिए पैसा वापस मिलने की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

मामले में सबसे गंभीर आरोप तत्कालीन कोतवाली थाना प्रभारी शनिप रात्रे पर लगाए गए हैं। निवेशकों ने शिकायत करते हुए कहा है कि जिन बैंक खातों को प्रशासन और पुलिस के निर्देश पर फ्रीज कराया गया था, उन्हें बाद में अनसीज करवा दिया गया। अब इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पुलिस महकमे में भी हलचल मच गई है और एसएसपी शशिमोहन सिंह ने मामले की जांच शुरू करा दी है। जानकारी के अनुसार 19 फरवरी 2024 को तत्कालीन कलेक्टर कार्तिकेय गोयल की अदालत ने सहारा के पूर्व ब्रांच मैनेजर ओमप्रकाश शर्मा की 19 संपत्तियों को चिन्हित करते हुए कुर्की के आदेश जारी किए थे। सहारा इंडिया परिवार के निवेशकों से कथित जालसाजी और परिपक्वता अवधि पूरी होने के बाद भी रकम वापस नहीं करने के आरोपों के चलते यह कार्रवाई की गई थी। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर ओमप्रकाश शर्मा और उनसे जुड़े बैंक खातों को भी फ्रीज किया गया था। इनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, एचडीएफसी बैंक, पंजाब नेशनल बैंक समेत कई बैंक खाते शामिल थे। इन खातों में निवेशकों की रकम से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी और धनराशि होने की बात कही गई थी, लेकिन निवेशकों का आरोप है कि कुर्की और न्यायालयीन प्रक्रिया के बीच ही इन खातों को अनसीज करवा दिया गया। इसके बाद खातों से बड़ी मात्रा में रकम निकाल ली गई, जिससे निवेशकों को मिलने वाली संभावित राहत पर पानी फिर गया।

निवेशक अब प्रशासन और पुलिस के काट रहे चक्कर

सहारा पीड़ित निवेशकों का कहना है कि पहले कंपनी ने रकम लौटाने में धोखा दिया और अब जिन संपत्तियों एवं खातों से वसूली की उम्मीद थी, वे भी विवादों में घिर गए हैं। निवेशकों का आरोप है कि ओमप्रकाश शर्मा सहारा के फ्रेंचाइजी कार्यालय में ब्रांच मैनेजर थे, लिहाजा उन्हें एक निश्चित वेतन हर महीने दिया जाता था। लेकिन निवेशकों की रकम के दम पर उन्होंने रायगढ़, रायपुर समेत अन्य शहरों में करोड़ों रुपये की संपत्तियां खड़ी कर लीं। उनका कहना है कि रायगढ़ में चिन्हित 19 संपत्तियों के अलावा भी कई संपत्तियों की जानकारी सामने आनी बाकी है। निवेशकों का यह भी आरोप है कि शर्मा और उनके परिजनों के बैंक खातों में करोड़ों रुपये जमा थे तथा निवेशकों के बांड और दस्तावेजों में गड़बड़ी कर रकम हड़पने की शिकायतें भी पहले से लंबित हैं।

पूर्व टीआई की भूमिका पर उठे सवाल

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब बैंक खाते न्यायालयीन प्रक्रिया और प्रशासनिक आदेशों के तहत सीज किए गए थे, तब उन्हें अनसीज करने की अनुमति किस आधार पर दी गई। सवाल यह भी है कि क्या इसके लिए सक्षम न्यायालय या प्रशासन की अनुमति ली गई थी, यदि नहीं, तो फिर यह कार्रवाई किसके निर्देश पर हुई। सूत्रों के अनुसार मामले को लेकर पुलिस विभाग के भीतर भी चर्चा तेज है। आरोपों के सामने आने के बाद एसएसपी शशिमोहन सिंह ने पूरे प्रकरण का प्रतिवेदन तलब किया है और संबंधित तथ्यों की जांच कराई जा रही है।

जिले के 93 हजार से अधिक परिवारों को मिला पक्का मकान, बदली रही हजारों लोगों की जिंदगी

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली सुशासन में प्रधानमंत्री आवास योजना से राज्य सहित जिले में हजारों लोगों की जिंदगी बदली रही है। पक्की छत के नीचे लाखों लोग सुकून से रह रहे हैं।

प्रधानमंत्री आवास और पीएम जनमन योजना ने गरीब और विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों को पक्का मकान से लाभांवित कर उनके जीवन में बदलाव लाया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के मंशानुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत सर्वे कर छूटे हुए लोगों को भी शत प्रतिशत आवास देने का लक्ष्य निर्धारित है। योजना के तहत पात्र परिवारों को पक्का घर प्रदान करना, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल, बिजली, शौचालय और एलपीजी जैसी बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का मकान का लाभ देने है। जिन लोगों को जीवन वर्षों तक संघर्ष और अभाव की छाया में बीता। कच्चे मकान की टूटी-फूटी दीवारें और छत उनके परिवार की मुश्किलों की गवाह थीं। बरसात के मौसम में तो हालत और भी विकट हो जाती थी। घर के भीतर पानी भर जाना, सामान भीग जाता और रातें जागते हुए काटनी पड़ती थीं। खुद के लिए एक पक्का घर बनाने का सपना, सपना ही बना रहता था। छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशील सोच का परिणाम जिले के हजारो लोग लाभान्वित प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत अब तक 1 लाख 26 हजार 18 जशपुर जिले में आवास स्वीकृत हुए हैं। इनमें 93 हजार 506 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इन घरों में अपनों के साथ सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं। इसी प्रकार पीएम जनमन के तहत जिले में 2023 से 2025 तक 2040 आवास स्वीकृत हुए हैं इनमें 1494 से अधिक आवास पूर्ण किया गया है।

तनु वेड्स मनु 3 की शुरू होने वाली है शूटिंग ...

मुंबई। फिल्म फ्रेंचाइजी 'तनु वेड्स मनु' का तीसरा भाग 'तनु वेड्स मनु : द नेक्स्ट चैप्टर' की शूटिंग इसी साल शुरू होने जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसी साल कंगना रनौत स्टारर हिट फ्रेंचाइजी फिल्म फ्लोर पर आ जाएगी। इस मोस्ट अवेटेड फिल्म की घोषणा इरोज इनोवेशन द्वारा हाल ही में जारी की गई नई कंटेंट लिस्ट के दौरान की गई। फिल्म का निर्देशन मिताक्षरा कुमार करेंगी, जो इससे पहले 'हीरामंडी' और 'द एम्पायर' जैसे चर्चित प्रोजेक्ट्स में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। इस फिल्म का निर्माण रुद्रक सोमा ज्योति लिमिटेड के सहयोग से किया जाएगा।

लाइफ Style

मदालसा

15 साल लीप के कारण छोड़ा शो

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

स्टार प्लस के टॉप सीरियल अनुपमा में अनुपमा की सौतन काव्या का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस मदालसा चक्रवर्ती ने अपने फिल्मी कॅरियर के साथ-साथ शो छोड़ने का कारण बताया। अनुपमा शो छोड़ते वक्त मुझे बिल्कुल भी डर नहीं लग , क्योंकि हम लाइफ में आगे बढ़ते हैं और 4 साल काम करना एक लंबा समय होता है।

शो 15 साल का लीप ले रहा था, इसलिए प्रोड्यूसर राजन शाही और मैंने फैसला लिया था कि मैं यह शो नहीं करूंगी। क्योंकि, 15 साल में आपका फेस बहुत बदल जाता है। मुझे स्क्रीन पर 15 साल ज्यादा ओल्डर नहीं दिखना था। यह तो एक गर्व की बात है कि आप ऐसे शो का हिस्सा रही हैं जो दर्शकों को बहुत पसंद आया है। एक्ट्रेस ने आगे कहा कि मेरे पिता एक जाने माने डायरेक्टर- प्रोड्यूसर हैं। मेरी मां भी एक जाने मानी एक्ट्रेस रही हैं। मैं फिल्मी बैकग्राउंड से बिलॉन्ग करती हूं तो ऐसी कोई नई बात नहीं थी कि मैं एक अलग फील्ड से आई हूं। मेरे ससुर मिथुन चक्रवर्ती जी, मेरी सास सभी लोग फिल्म इंडस्ट्री से हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं कोई अलग इंडस्ट्री में हूं। आपको आपकी मेहनत से ही काम मिलता है, मुझे जो भी काम मिला है, मेरी मेहनत से मिला है। मैं इसी तरीके से आगे काम करना चाहूंगी। अगर आपको लंबी रेस का घोड़ा बनना है तो आपको अपना टैलेंट दिखाना पड़ेगा। मदालसा चक्रवर्ती (शर्मा) फिल्म के साथ-साथ टेलीविजन एक्ट्रेस हैं, उन्होंने सीरियल अनुपमा में वनराज शाह की दूसरी पत्नी और अनुपमा की सौतन काव्या शाह का किरदार निभाकर हर घर में अपनी खास जगह बनाई।

हॉलीवुड मसाला

डेनेरेस की मौत पर भड़की थीं एमिलिया

नई दिल्ली। फैंटेसी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के कई किरदार आज भी लोगों के बीच लोकप्रिय हैं। इनमें डेनेरेस तारगारयेन का नाम सबसे ऊपर आता है, जिसे ब्रिटिश अभिनेत्री एमिलिया क्लार्क ने निभाया था। हालांकि, सीरीज के आखिरी सीजन में डेनेरेस के साथ जो हुआ, उसने सिर्फ दर्शकों को ही नहीं, बल्कि खुद एमिलिया क्लार्क को भी हैरान कर दिया था। अब अभिनेत्री ने उस पल को याद करते हुए खुलासा किया है कि जब उन्हें अपने किरदार के अंत के बारे में पता चला तो वह बेहद गुस्से में थीं।

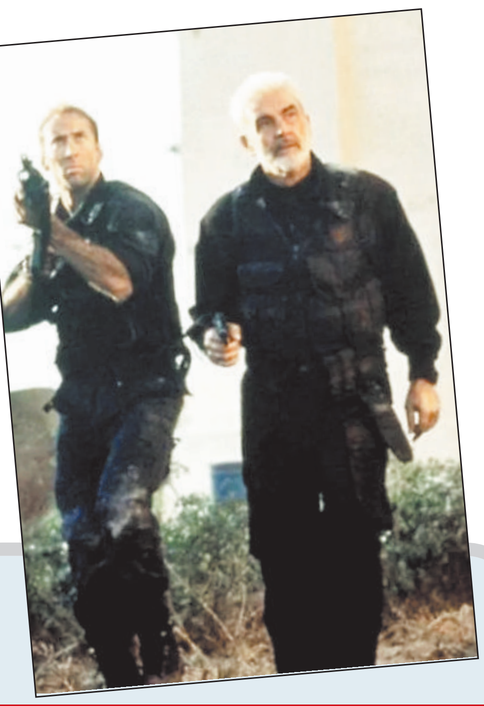

द रॉक ने पूरे किए 30 साल जेल पर आधारित है कहानी

नई दिल्ली। आज से ठीक 30 साल पहले, 7 जून 1996 को माइकल बे की फिल्म द रॉक रिलीज हुई थी। शॉन कॉनरी, निकोलस केज और एड हैरिस की तिकड़ी की यह एक्शन थ्रिलर आज भी एक्शन प्रेमियों की पहली पसंद है। बेशक फिल्म को तीन दशक हो चुके हैं, लेकिन आज भी इसकी गिनती टॉप एक्शन फिल्मों में होती है। द रॉक की कामयाबी को इस बात से ही समझा जा सकता है कि 75 मिलियन डॉलर (आज के हिसाब से 712 करोड़ रुपए)) के बजट में बनी फिल्म ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 335 मिलियन डॉलर (आज के हिसाब से 3184 करोड़ रुपए) से ज्यादा कमाए। 'द रॉक'' की कहानी अलकाट्राज जेल पर आधारित है। ब्रिगेडियर जनरल फ्रांसिस हम्मेल (एड हैरिस) अपने मारे गए सैनिकों के परिवारों के लिए न्याय मांगते हुए अलकाट्राज पर कब्जा कर लेता है।

लॉक अप सीजन-2 का प्रोमो जारी...

नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स ने अपने चर्चित रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' का पहला वीडियो जारी कर दिया है। इस छोटे से वीडियो ने आते ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। वीडियो में फिल्म निर्माता और कोरियोग्राफर फराह खान और अभिनेता रितेश देशमुख जेल के अंदर नजर आ रहे हैं। हालांकि, शो के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इस झलक ने लोगों के मन में कई सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। इंस्टाग्राम पर जारी किए गए वीडियो में फराह खान और रितेश देशमुख को कैदियों की तरह दिखाया गया है। क्लिप में फराह खान को कैदी संख्या 06 और रितेश देशमुख को कैदी संख्या 27 के रूप में दिखाया गया है। दोनों जेल की कोठरियों में कैद हैं। जेल का माहौल रहस्य और तनाव से भरा है।

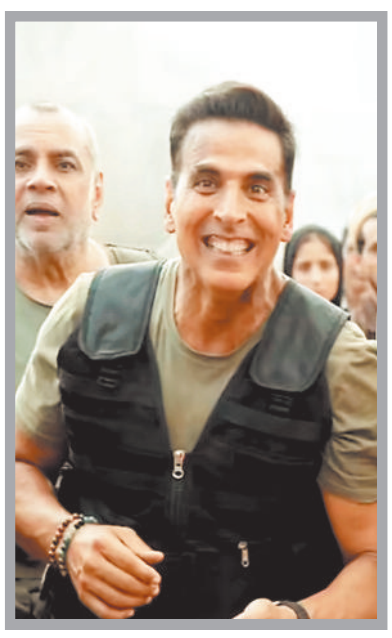

वेलकम टू द जंगल में हंसी का धमाल

मुंबई। कॉमेडी और एक्शन वाली 'वेलकम' फ्रेंचाइजी की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर 11 जून को रिलीज हो चुका है। फिल्म रिलीज से 15 दिन पहले आए इस ट्रेलर ने आते ही तहलका मचा दिया है जिसमें एक्शन, कॉमेडी, रोमांस, ड्रामा और सस्पेंस सब कुछ ठूंस-ठूंस कर भरा दिख रहा है। जैसी उम्मीद थी कि 'वेलकम' सीरीज की ये फिल्म हंसी और रोमांच का डबल डोज देने वाली है, ट्रेलर इसपर पूरी तरह से फिट नजर आ रहा है। कहीं-कहीं ट्रेलर की झलकियां देख अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी के बीच 'हेरा फेरी' वाली नोंकझोंक भी याद दिलाती नजर आ रही है। कि'वेलकम टू द जंगल' इसी महीने के अंत में 26 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। वेलकम टू द जंगल' का ट्रेलर लांच के लिए वीआरएफ स्टूडियो की तरफ से भव्य इवेंट लॉन्च किया गया।

टीवी मसाला

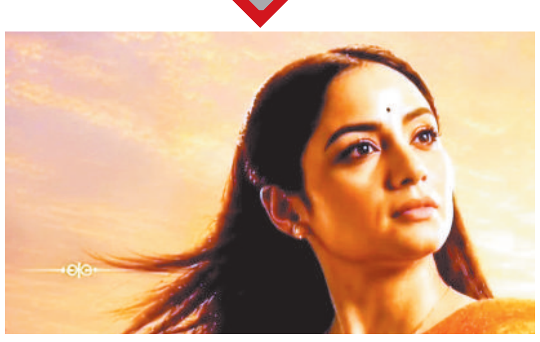

सैराब में दिखाई जा रही प्रियंका-निक की लव स्टोरी?

नई दिल्ली। स्टार प्लस का नया शो सैराब इन दिनों चर्चा में है, जिसमें एक्ट्रेस मदिराक्षी मुंडले नजर आ रही हैं। कई लोग उन्हें सिया के राम में सीता के किरादर में जानते होंगे और पसंद करते होंगे। लेकिन, अब वह एक मां के रोल में सैराब सीरियल में नजर आ रही हैं, जिसकी कहानी एक पॉप स्टार और एक डॉक्टर की है। हालांकि, जब से शो का पहला प्रोमो आया तब से इसकी तुलना बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की लव स्टोरी से की गई। अबमदिराक्षी मुंडले ने कहा- वैसे तो मैं उनकी कहानी से कुछ विशेष परिचित नहीं हूं। यदि कोई समानताएं हैं तो मुझे लगता है कि ये एक संयोग हो सकता है। सैराब एक बहुत रोचक रोमांटिक लव स्टोरी है। नयनिका, जो मेरा किरदार है, और ईशान, जिसे रोहित कर रहे हैं, दो इतने अलग व्यक्तित्व हैं। बहुत समय बाद ऐसा कोई शो शायद आया है जिसे क्लासिकल लव स्टोरी कहा जा रहा है और दर्शकों की प्रतिक्रियाएं भी बहुत जोश भरी हैं। कई लोगों के जीवन में ऐसे योग आते हैं जिनसे उन्हें पर्सनल रूप से कष्ट और दुःख होता है। संभव है ये लोग अपने जीवन में एक और मौके की चाह तो रखते हैं, लेकिन शायद खुले में ये बोल नहीं पाते क्योंकि परिस्थितियां कुछ इस प्रकार की होती हैं। ऐसे में कैसे नयनिका, जो एक डॉक्टर हैं, और ईशान, जो एक रॉकस्टार हैं, एक-दूसरे के निकट आते हैं, सैराब उसी की एक संगीतमय कहानी है।

गंगा माई की बेटियां सीरियल का बोलबाला

नई दिल्ली। टीआरपी लिस्ट में पिछले कुछ हफ्तों से बड़ा उल्टफेर हो रहा है। क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 और अनुपमा जैसे सीरियल्स को नए शोज टक्कर दे रहे हैं। 22वें हफ्ते की टीआरपी लिस्ट में 'गंगा माई की बेटियां' ने बाजी मारी है।

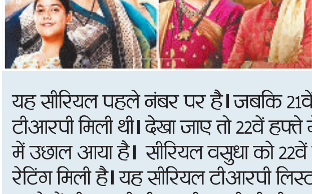

गंगा माई की बेटियां सीरियल में एक मां और उसकी बेटियों के संघर्ष को दिखाया गया है। इसको 22वें हफ्ते में 1.9 की टीआरपी रेटिंग मिली है, यह सीरियल पहले नंबर पर है। जबकि 21वें हफ्ते में इसको 1.8 की टीआरपी मिली थी। देखा जाए तो 22वें हफ्ते में इस सीरियल की टीआरपी में उछाल आया है। सीरियल वसुधा को 22वें हफ्ते में 1.9 की टीआरपी रेटिंग मिली है। यह सीरियल टीआरपी लिस्ट में दूसरे नंबर पर है। 21वें हफ्ते में भी इसकी टीआरपी इतनी ही थी। यह सीरियल भी एक साधारण लड़की के सपनों, संघर्ष और प्रेम की कहानी को दिखाता है। तीसरे नंबर पर सीरियल तुम से तुम तक है। इस सीरियल को 22वें हफ्ते में 1.8 की टीआरपी रेटिंग मिली है। 21वें हफ्तें भी इसकी इतनी ही टीआरपी थी।

वीर दास होंगे बारह नंबर के निर्देशक स्टारकास्ट का किया ऐलान

मुंबई। एक्टर, कॉमेडियन और फिल्ममेकर वीर दास ने अपनी अगली डायरेक्टोरियल फिल्म 'बारह नंबर' का ऐलान किया है। इस फिल्म में शीबा चड्ढा, अरुणोदय सिंह, एहसास चन्ना और अतुल कुलकर्णी जैसे कलाकार होंगे। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है। दास ने इस साल की शुरुआत में स्पाई कॉमेडी फिल्म 'हैप्पी पटेलः खतरनाक जासूस' से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था। 'बारह नंबर' के लिए वीर दास एक बार फिर 'हैप्पी पटेल' के को-डायरेक्टर कवि शास्त्री के साथ काम करेंगे। इस फिल्म से वह क्रिएटिव प्रोड्यूसर के तौर पर जुड़ेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दास भी फिल्म में बतौर एक्टर काम करेंगे। इसमें निहारिका लायरा दत्त, श्रिया पिलगांवकर, सुहैल नय्यर, पूजा स्वरूप और नवीन कौशिक भी शामिल हैं। वीर दास ने बताया 'इस प्रोजेक्ट की सबसे रोमांचक बात यह है कि इसमें ऐसे कलाकार साथ आए हैं, जिनकी मैं तारीफ करता हूं। शीबा, अतुल, अरुणोदय, श्रिया, एहसास, निहारिका, सुहैल और नवीन, हर कोई फिल्म में एक अलग ऊर्जा और असलियत लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा 'हॉरर फिल्म तब अच्छी लगती है जब दर्शकों को हर पल असली लगे और इस कलाकारों की टीम ने कहानी को उस स्तर से कहीं आगे पहुंचा दिया है, जो मैंने इसे लिखना शुरू करते समय सोचा था।' देली बेली, गो गोवा गॉन जैसी फिल्मों और कॉल मी बे जैसी सीरीज में काम करने के लिए मशहूर वीर दास, अपने बैनर जजू प्रोडक्शंस के जरिए 'बारह नंबर' को प्रोड्यूस करेंगे।

मौनी और जिमी का नया गाना पड़ोसन रिलीज, लिरिक्स पर जमकर बखेड़ा

मुंबई। डेविड धवन की कई स्टार्स वाली रोमांटिक कॉमेडी 'है जवानी तो इश्क होना है' बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले अहम हफ्ते के दिनों में भी लोगों का ध्यान खींच रही है। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग वीकेंड में शानदार 24 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है, लेकिन ये अब सुस्त होती जा रही है। वहीं, फिल्म के गाने भी धीरे-धीरे रिलीज हो रहे हैं। फिल्म का नया गाना 'पड़ोसन' रिलीज हो गया है और मौनी रॉय इसमें डांस कर रही हैं। 'है जवानी तो इश्क होना है' का नया गाना 'पड़ोसन' रिलीज हो गया है। इसमें मौनी रॉय और जिम्मी शेरगिल दिखाई दे रहे हैं और दोनों जबरदस्त डांस भी कर रहे हैं। गाने के लिरिक्स कुछ ऐसे हैं कि 'पत्नी को खिचड़ी खिलाके सुलाने में, भैया जी, लेट कभी होने ना दें और फिर सवेरे तक अपनी पड़ोसन को सोने ना दें!' गाने के कमेंट सेक्शन में एक बार फिर अश्लीलता को लेकर बातें शुरू हो गई हैं। कमेंट सेक्शन में मौनी रॉय की तो खूब तारीफ हुई है, लेकिन लिरिक्स को लेकर भद भी पिट रही है। एक ने लिखा- इन लोगों की वजह से पड़ोसन भी सेफ नहीं है। एक ने कहा- इसके अलावा कुछ रह गया है कि नहीं। मौनी रॉय का तो कमेंट सेक्शन ऐसी ही बातों से भरा हुआ है। एक ने लिखा- बस यही सुनने को बाकी रह गया है। एक यूजर ने कहा- एक असली सवालः क्या एक्टर्स साइन करने से पहले गाने के बोल सुनते हैं, या रिलीज होने के बाद हम लोगों की तरह उन्हें भी पता चलता है? मतलब, सच में, तुम लोगों को क्या हो गया है? कुछ फैंस ने तो गुस्से में काफी कुछ बोल दिया और फिल्म इंडस्ट्री पर ही सवाल उठाया। एक ने लिखा- मौनी जिमी तो अच्छे हैं लेकिन ये गाना, कितना घटिया है। एक ने कहा- चीप गाना और उससे बकवास फिल्म। अनुभवी फिल्म निर्माता डेविड धवन की निर्देशित 'है जवानी तो इश्क होना है' में वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े लीड रोल्स में हैं, जिसमें मनीष पॉल, चंकी पांडे, जिमी शेरगिल, मौनी रॉय और राजपाल यादव जैसे कई कलाकार शामिल हैं।

4 फिल्मों में चला एक ही गाना, 2 फिल्में हिट, तीसरी ने की बम्पर कमाई

49 साल से लोगों के दिलों पर राज कर रहा है ये गाना

नई दिल्ली। फिल्में आती हैं, जाती हैं और वक्त के साथ कई गाने भी लोगों की यादों से धुंधले पड़ जाते हैं। लेकिन, कुछ गाने ऐसे होते हैं जो हर दौर में खुद को फिर से साबित कर देते हैं। चाहे 70 का दशक हो, 90 का दौर हो या फिर आज का समय, उनका जादू कभी फीका नहीं पड़ता। बॉलीवुड का एक ऐसा ही गाना पिछले 49 साल से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। दिलचस्प बात ये है कि इस गाने ने सिर्फ एक नहीं, बल्कि चार अलग-अलग फिल्मों में अपनी जगह बनाई। जहां-जहां ये गाना पहुंचा, वहां इसने दर्शकों का दिल जीत लिया। हम बात कर रहे हैं सदाबहार हिट गाने 'मुंगड़ा मुंगड़ा' की, जिसका क्रेज आज भी बरकरार है।

हेलन पर फिल्माया गया और बन गया सनसनी

'मुंगड़ा मुंगड़ा' पहली बार साल 1977 में रिलीज हुई फिल्म 'इंकार' में सुनाई दिया था। इस गाने को उषा मंगेशकर ने अपनी आवाज दी थी, जबकि इसे हेलन पर फिल्माया गया था। गाना रिलीज होते ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया। इसके बोल, संगीत और हेलन के डांस ने ऐसा रंग जमाया कि देखते ही देखते ये उस दौर का सुपरहिट गाना बन गया।

फिल्म से ज्यादा गाने की हुई चर्चा

विनोद खन्ना और विद्या सिन्हा स्टारर 'इंकार' एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म थी। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा 'मुंगड़ा मुंगड़ा' की हुई। आज भी जब पुराने सुपरहिट गानों की बात होती है तो इस गाने का नाम जरूर लिया जाता है। यही वजह है कि इसे बॉलीवुड के सबसे यादगार गानों में गिना जाता है।

दूसरी फिल्म में भी चला मुंगड़ा का जादू

साल 1984 में रिलीज हुई फिल्म 'अंदर बाहर' में भी 'मुंगड़ा मुंगड़ा' सुनाई दिया। फिल्म में अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, मुनमुन सेन और किम जैसे सितारे नजर आए थे। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही, लेकिन गाने की लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई। दर्शकों ने एक बार फिर इस गाने को खूब पसंद किया।

आज भी लोगों की प्लेलिस्ट में शामिल

बहुत कम गाने ऐसे होते हैं जो कई पीढ़ियों के बीच अपनी पहचान बनाए रखते हैं। 'मुंगड़ा मुंगड़ा' उन्हीं चुनिंदा गानों में शामिल है। चार फिल्मों का हिस्सा बन चुका ये गाना आज भी शादी-पार्टी और डांस फ्लोर की रौनक बना हुआ है। शायद यही वजह है कि 49 साल बाद भी इसका जादू पहले जैसा कायम है।

29 साल बाद फिर बड़े पर्दे पर लौटा

घायल के बाद इस गाने ने लंबा इंतजार करवाया, लेकिन साल 2019 में ये फिर नए अंदाज में लौट आया। फिल्म 'टोटल धमाल' में 'मुंगड़ा मुंगड़ा' को रीक्रिएट किया गया। इस बार गाना सोनाक्षी सिन्हा पर फिल्माया गया था। पुराने गाने का तड़का और नए दौर का अंदाज दर्शकों को खूब पसंद आया। फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की और हिट साबित हुई।

सनी की सुपरहिट फिल्म तक पहुंचा गाना

इसके बाद साल 1990 में रिलीज हुई 'घायल' में भी 'मुंगड़ा मुंगड़ा' को शामिल किया गया। सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि और अमरीश पुरी स्टारर इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की। करीब 2 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने 21 करोड़ रुपए का कारोबार किया। फिल्म ने कई बड़े अवॉर्ड भी जीते और उस साल की सबसे चर्चित फिल्मों में शामिल रही।

खबर संक्षेप

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारी सम्मानित

सारंगढ़-बिलाईगढ़। जिले में आयोजित जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने के लिए नगर पंचायत बरमकेला के चार्ज अधिकारी दीपक विश्वकर्मा के मार्गदर्शन एवं मास्टर ट्रेनर फील्ड ट्रेनर नंदकिशोर पटेल सहित पर्यवेक्षक मोहन प्रधान तथा प्रगणक तरुण पटेल को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ पद्मिनी भोई साहू द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में जिलेभर के जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मचारियों को प्रशस्ति प्रदान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। इस उपलब्धि पर नगर पंचायत बरमकेला सहित क्षेत्र के कर्मचारियों एवं नागरिकों में हर्ष व्याप्त है।

खरसिया को मिली 4.82 करोड़ की सौगात

खरसिया। नगर पालिका परिषद खरसिया को वित्तीय वर्ष 2026-27 में पेयजल एवं अधोसंरचना विकास कार्यों के लिए राज्य शासन द्वारा 4 करोड़ 82 लाख 47 हजार रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस राशि से खरसिया नगर में तीन नए उच्च स्तरीय पानी टंकी ओवरहेड टैंक संपवेल निर्माण, इंटेकवेल पहुंच मार्ग, सीसी सड़क एवं आरसीसी नाली सहित विभिन्न विकास कार्य कराए जाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष कमल गर्ग ने इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव तथा वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रति आभार व्यक्त किया है। नगर पालिका अध्यक्ष श्री गर्ग ने कहा कि यह स्वीकृति खरसिया नगर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आगामी गर्मी से पूर्व सभी स्वीकृत ओवरहेड टैंकों का निर्माण पूर्ण कराने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे नगरवासियों को पर्याप्त एवं सुचारु पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए 23 तक आवेदन

रायगढ़। एकीकृत बाल विकास परियोजना तमनार जिला रायगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत झिकाबहाल के आंगनबाड़ी केन्द्र आवासपारा झिकाबहाल में सहायिका के रिक्त एक पद की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए है। इच्छुक आवेदिका 23 जून तक ऑनलाईन पोर्टल में आवेदन कर सकती है। आवेदन के समस्त प्रक्रिया ई.भर्ती पोर्टल के यूजर मैन्यूल में दर्शित हैए जिसका उपयोग करके आवेदन किया जा सकता है, निर्धारित तिथि के बाद परियोजना कार्यालय या डॉक से प्रेषित आवेदनों को स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस संबंध में अन्य विस्तृत जानकारी के लिए परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कार्यालय तमनार में संपर्क कर सकते है।

आयुष कृषि सेवा केंद्र में पाई गई अनियमितताएं, लाइसेंस निलंबित करने की गई अनुशंसा

बरमकेला क्षेत्र में खाद दुकानों की जांच नियमों के उल्लंघन पर नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरमकेला

खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही किसानों को खाद की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने और उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी तथा अनियमित विक्रय पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा बरमकेला और सरिया क्षेत्र के विभिन्न खाद विक्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में स्टॉक एवं अभिलेखों में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जिस पर विभाग ने नोटिस जारी करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी के निर्देशन में गठित संयुक्त टीम में तहसीलदार बरमकेला, तहसीलदार सरिया, उर्वरक निरीक्षक एवं कृषि विभाग के अधिकारी शामिल थे। टीम ने बड़े नवापारा, झिकीपाली, सरिया और पंचधार सहित विभिन्न क्षेत्रों में संचालित खाद

दुकानों का निरीक्षण कर पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक, भौतिक स्टॉक, लाइसेंस, विक्रय पंजी, कैश मेमो तथा अन्य अभिलेखों का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बड़े नवापारा स्थित आयुष कृषि सेवा केंद्र में कई प्रकार की अनियमितताएं पाई गईं। अधिकारियों ने जब दुकान और गोदाम में उपलब्ध उर्वरकों का भौतिक सत्यापन किया तो पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक और वास्तविक स्टॉक में अंतर सामने आया। जांच में टीएसपी, यूरिया और एसएसपी सहित विभिन्न उर्वरकों की मात्रा में विसंगति पाई गई। इसके अलावा टीम द्वारा एक किसान को यूरिया खरीदने के लिए भेजा गया, लेकिन गोदाम में पर्याप्त स्टॉक होने के बावजूद उसे खाद उपलब्ध नहीं कराया गया। जांच में यह भी पाया गया कि प्रतिष्ठान में निर्धारित नियमों के अनुसार मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं की गई थी तथा विक्रय अभिलेखों का समुचित संधारण नहीं किया जा रहा था। इन अनियमितताओं को गंभीर मानते हुए संबंधित प्रतिष्ठान के लाइसेंस निलंबन की अनुशंसा की गई है और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकार झिकीपाली स्थित लेखा कृषि सेवा केंद्र के निरीक्षण में भी स्टॉक संबंधी गड़बड़ी सामने आई। जांच के दौरान पाया गया कि गोदाम में एसएसपी पाउडर का वास्तविक स्टॉक पीओएस मशीन में दर्ज मात्रा से काफी अधिक था। अधिकारियों ने मौके पर पंचनामा तैयार कर प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच के बाद नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं निरीक्षण के दौरान किसान कृषि सेवा केंद्र, सरिया तथा अन्नपूर्णा कृषि सेवा केंद्र, पंचधार में स्थिति संतोषजनक पाई गई। इन दोनों प्रतिष्ठानों में पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक और वास्तविक स्टॉक का मिलान सही पाया गया। अधिकारियों ने संचालकों को स्टॉक का नियमित संधारण करने तथा सभी अभिलेख अद्यतन रखने के निर्देश दिए।

लाइसेंस की वैधता समाप्त, फिर भी व्यापार

संयुक्त टीम ने बड़े नवापारा में ही संचालित थानसुंदर गड़तिया के प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया। जांच के दौरान पाया गया कि उर्वरक विक्रय के लिए जारी लाइसेंस की वैधता 31 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी थी, इसके बावजूद प्रतिष्ठान में खाद का व्यापार जारी था। अधिकारियों ने जब भौतिक स्टॉक का सत्यापन किया तो यूरिया की मात्रा पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक से अधिक मिली। बिना वैध लाइसेंस के व्यापार एवं स्टॉक संबंधी विसंगति पाए जाने पर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर नियमानुसार जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर जारी

रायगढ़। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित प्रयास आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु आयोजित प्राक्चयन परीक्षा का संशोधित मॉडल उत्तर जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थी विभाग की वेबसाइट पर जाकर संशोधित मॉडल उत्तर देख सकते हैं। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रयास बालक एवं कन्या आवासीय विद्यालयों में प्रवेश के लिए प्राक्चयन परीक्षा 10 मई को आयोजित की गई थी। परीक्षा के बाद 20 मई को मॉडल उत्तर जारी करते हुए अभ्यर्थियों से दावा.आपत्तियां आमंत्रित की गई थींए जिसके लिए 30 मई अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। निर्धारित समयावधि में प्राप्त दावा.आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण करने के बाद विभाग द्वारा संशोधित मॉडल उत्तर जारी किया गया है। संबंधित अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध संशोधित मॉडल उत्तर का अवलोकन कर सकते हैं।

रेत घाट हो गए लॉक फिर भी तस्कर कर रहे चोरी, चैन माउंटेन व तीन ट्रैक्टर जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

खास बात

- खनिज विभाग की उड़नदस्ता टीम ने विभिन्न स्थनों में दी थी दबिश

जिले में 10 जून से सभी रेत घाट लॉक कर दिए गए हैं लेकिन इसके बाद भी रेत तस्कर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं और नदी नालों में घुसकर चैन माउंटेन मशीन लगाकर बड़े पैमाने पर रेत की चोरी कर रहे हैं। नया मामला कुदमुरा में सामने आया है जहां खनिज विभाग की टीम ने जब दबिश तो चैन माउंटेन मशीन लगाकर ट्रैक्टर के माध्यम से अवैध रूप से रेत की निकासी की जा रही थी। खनिज विभाग में मौके से चैन माउंटेन मशीन व 3 ट्रैक्टर को जब्त करने में सफलता हासिल की है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश तथा उप संचालक, खनि प्रशासन के मार्गदर्शन में जिले में चल रहे रेत घाटों से 10 जून से 15 अक्टूबर तक रेत निकालने पर प्रतिबंध लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गठित दो खनिज उड़नदस्ता दल ने जिले में जोगीपाली, तरदा, कुदुरमाल, कटबितला, भैंसामुड़ा, गितारी, बगदर, चिचोली, भिलाई खुर्द, चुईया, कछार, घमोटा, धवईपुर, चारपारा, कुदमुरा में चल रहे वैध घाटों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुदमुरा रेत घाट में चैन माउंटेन से रेत उत्खनन करते पाए जाने पर टीम द्वारा कार्रवाई की गई। टीम ने मौके से चैन माउंटेन जब्त किया है। वहीं भिलाईखुर्द में ईंट का अवैध परिवहन कर रहे एक ट्रेक्टर को सिटी कोतवाली थाना में तथा डिंगापुर में ईंट व मिट्टी का उत्खनन कर परिवहन कर रहे 2 ट्रेक्टर पर कार्यवाही करते हुए जब्त कर रामपुर थाना अभिरक्षा में रखा गया।

शीघ्र ही नए स्वरूप में नजर आएगा रायगढ़ रेलवे स्टेशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

कलेक्टर ने रेलवे अधिकारियों के साथ किया सौंदर्यीकरण व उन्नयन कार्यों का निरीक्षण

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने रेलवे अधिकारियों, नगर निगम आयुक्त तथा रायगढ़ एसडीएम के साथ रेलवे स्टेशन में चल रहे सौंदर्यीकरण व उन्नयन कार्यों का निरीक्षण किया। आने वाले दिनों में रायगढ़ रेलवे स्टेशन पूरी तरह नए और आकर्षक स्वरूप में नजर आएगा। इस दौरान रेलवे अधिकारियों को सभी निर्माण एवं विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से जुलाई माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्टेशन भवन, मुख्य प्रवेश द्वार, पार्किंग क्षेत्र, प्रतीक्षालय, सड़क संपर्क मार्ग, जल निकासी व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था एवं यात्रियों के लिए विकसित की जा रही अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रायगढ़ रेलवे स्टेशन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख और व्यस्त रेलवे स्टेशनों में से एक है। बिहार, झारखंड, ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल से छत्तीसगढ़ आने वाले यात्रियों के लिए यह महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार की भूमिका निभाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही को देखते हुए भारत सरकार द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा हैए जिससे यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्राप्त हो सके। कलेक्टर श्री चतुर्वेदी ने रेलवे अधिकारियों को सभी निर्माण एवं विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से जुलाई माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार को आधुनिक वास्तुशिल्प के अनुरूप नया स्वरूप दिया जा रहा है। स्टेशन परिसर में व्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिसमें विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग स्थल बनाए जा रहे हैं। इसके साथ ही बुकिंग कार्यालय का उन्नयन, प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त वेटिंग हॉलए बेहतर बैठने की व्यवस्था तथा स्वच्छ एवं सुविधाजनक यात्री सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या को ध्यान में रखते हुए प्रभावी जल निकासी व्यवस्था भी विकसित की जा रही है। मुख्य सड़क से रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग को बेहतर बनाया जा रहा है ताकि यात्रियों को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। स्टेशन परिसर में आकर्षक साज-सज्जा, हरित विकास, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था तथा सौंदर्यीकरण के विभिन्न कार्य भी तेजी से किए जा रहे हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि रायगढ़ एवं बेलपहाड़ रेलवे स्टेशनों के विकास एवं उन्नयन कार्यों के लिए कुल 12 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस राशि से दोनों स्टेशनों में यात्रियों की सुविधाओं के विस्तार तथा आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए विभिन्न विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले में आने वाले यात्रियों की पहली छाप रेलवे स्टेशन से ही बनती है। इसलिए स्टेशन का विकास केवल अधोसंरचना उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जिले की पहचान, छवि और यात्री सुविधाओं से भी जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों और रेलवे अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। रेलवे स्टेशन में चल रहे विकास कार्यों के पूर्ण होने के बाद रायगढ़ रेलवे स्टेशन न केवल अधिक आकर्षक और आधुनिक दिखाई देगाए बल्कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इससे जिले की पहचान को नई मजबूती मिलने के साथ.साथ यात्रियों को भी सुविधाजनक एवं सुगम यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

नए शिक्षा सत्र की तैयारियों को अंतिम रूप देने जुटे प्रधान पाठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

प्रवेश उत्सव और एफएलएन पर बनी रणनीति

जिला प्रशासन के निर्देश पर नवीन शिक्षा सत्र 2026-27 के सफल संचालनए शाला खुलने की पूर्व तैयारियोंए प्रवेश उत्सव के प्रभावी आयोजन तथा विद्यार्थियों में आधारभूत अधिगम दक्षताओं के विकास को लेकर विकासखंड शिक्षा कार्यालय रायगढ़ द्वारा प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठकों की दो दिवसीय बैठक का आयोजन 11 एवं 12 जून को साधुराम विद्या मंदिर, जोरापाली में किया गया। बैठक में विकासखंड की सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठकों ने भाग लेते हुए आगामी शिक्षा सत्र की तैयारियों एवं विभागीय प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। बैठक में विद्यालयों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। अधिकारियों ने पेयजल उपलब्धताए किचन शेड की स्थितिए विद्युत व्यवस्था, विद्यालय परिसर की साफ.सफाई, वृक्षारोपण, पाठ्यपुस्तक वितरणए विद्यार्थियों के बैठने की व्यवस्थाए खेल सामग्री की उपलब्धता तथा शिक्षण.अधिगम सामग्री टीएलएम की तैयारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए। बैठक में प्रवेश उत्सव को जनभागीदारी का अभियान बनाने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि नवप्रवेशी विद्यार्थियों का विद्यालयों में उत्साहपूर्ण स्वागत किया जाए तथा पालकों, जनप्रतिनिधियोंए विद्यालय प्रबंधन समितियों और समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। साथ ही न्योता भोज कार्यक्रम के माध्यम से समुदाय और विद्यालय के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने तथा बच्चों के प्रति सकारात्मक शैक्षणिक वातावरण तैयार करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एफएलएन फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विशेष कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। अधिकारियों ने बताया कि कक्षा पहली से पांचवीं तक के विद्यार्थियों में भाषा, पठन, लेखन एवं गणितीय दक्षताओं का विकास विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

ढोल बजाकर कर्मचारियों ने की लंबित मांगों पर उचित कार्यवाही की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन द्वारा चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी ढोल बजाओ, प्रबंधन जगाओ अभियान के तहत रायगढ़ क्षेत्र में कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य अभियंता कार्यालय तक पैदल रैली निकाली। ढोल-नगाड़ों के साथ पहुंचे कर्मचारियों ने विद्युत कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह के नाम मुख्य अभियंता मनीष तनेजा को ज्ञापन सौंपकर कर्मचारियों की लंबित मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने की मांग की। ज्ञापन में पुरानी पेंशन योजना की बहाली संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण, ठेका प्रथा समाप्त करना, प्रीमियम रहित कैशलेस चिकित्सा सुविधा, रिक्त पदों पर नियमित भर्ती, वेज रिवीजन कमेटी का गठन, समयाधीन पदोन्नति तथा तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों के लिए करियर प्रोग्रेशन योजना लागू करने जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं। अभियान में रायगढ़ सहित कोरबा, अंबिकापुर, बिलासपुर, जांजगीर एवं रायपुर से पहुंचे पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। इस दौरान संगठन के प्रांताध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को लेकर लगातार आश्वासन दिए गए, लेकिन आज तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रबंधन कर्मचारियों के साथ वादाखिलाफी कर रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब दे रहा है और यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला तो यह आक्रोश बड़े आंदोलन का रूप लेगा। एजे सिंह ने कहा कि कंपनी में 6 हजार से अधिक पद रिक्त हैं, लेकिन नियमित भर्ती नहीं हो रही है। इसका सीधा असर विद्युत व्यवस्था और कर्मचारियों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब प्रबंधन कर्मचारियों की बात नहीं सुन रहा है तो उसे जगाने के लिए ढोल बजाना आवश्यक हो गया है। विशिष्ट अतिथि यतींद्र गुप्ता ने कहा कि ढोल बजाना केवल प्रतीकात्मक विरोध नहीं, बल्कि कर्मचारियों की पीड़ा और शोषण के खिलाफ उठी आवाज है।

महिला बुनकरों के सशक्तिकरण पर दिया जोर

कलेक्टर ने हथकरघा कला का किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरिया

पारंपरिक, हथकरघा कला के संरक्षण पर जोर देते हुए सारंगढ़ बिलाईगढ़ कलेक्टर पदमिनी भोई साहू ने शुक्रवार को सरिया तहसील के ग्राम पंचधार पहुंचीं। यहां छत्तीसगढ़ शासन के सम्मान से सम्मानित अरुण मेहर के बुनकारी कला का निरीक्षण किया तथा यहां संचालित हथकरघा गतिविधियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अरुण मेहर सहित अन्य बुनकरों से चर्चा कर उनके कार्यों, उत्पादन प्रक्रिया एवं व्यापार संबंधी गतिविधियों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर को बताया गया कि संस्था द्वारा उड़िया साड़ियों का निर्माण किया जाता है।

जो अपनी विशिष्ट डिजाइन, बुनाई कला एवं सांस्कृतिक पहचान के लिए जानी जाती है। कलेक्टर ने बुनकरों द्वारा तैयार किया जा रहे उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना करते हुए कहा कि यह क्षेत्र उड़ीसा बॉर्डर में होने के कारण यहां छत्तीसगढ़ उड़ीसा के बीच उड़िया साड़ी की मांग है तथा हस्तशिल्प एवं हथकरघा कला जिले की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देते हुए कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए योजना सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है तथा महिला बुनकरों के सशक्तिकरण की ओर एक सशक्त कदम बताया। अरुण मेहर के द्वारा क्षेत्र में बढ़ाए गए कदम से उम्मीद है आने वाले दिनों में इसका लाभ पूरे अंचल को प्राप्त होगा। कलेक्टर ने कहा कि पारंपरिक कला को आधुनिक बाजार से जोड़कर बुनकरों की आय मे वृद्धि की जा सकती है। इसके लिए उत्पादों की बेहतर ब्रांडिंग तथा विभिन्न स्थानों में प्रदर्शनियों एवं व्यापार मंचों के माध्यम से व्यापार का प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए। कलेक्टर ने अरुण कुमार मेहर से कहा कि बुनकरों को नई तकनीकों आधुनिक डिजाइन एवं बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

पल्स पोलियो अभियान में जिले के 1.35 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी जीवनरक्षक दो बूंद

रायगढ़। पोलियो जैसी गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए जिले में राष्ट्रीय सघन पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। तीन दिवसीय अभियान के दौरान जिले के 0 से 5 वर्ष तक आयु के 1 लाख 34 हजार 980 बच्चों को पोलियो रोधी वैक्सीन की दो बूंद पिलाई जाएगी। अभियान के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। कलेक्टर के निर्देशानुसार शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के आरोग्यम सभाकक्ष में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने की। इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. बीपी पटेल ने अभियान की रूपरेखाए माइक्रोप्लानिंग, मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग संबंधी आवश्यक जानकारी एवं दिशा.निर्देश प्रदान किए। कार्यशाला में जिले के समस्त नोडल अधिकारीए खंड चिकित्सा अधिकारी, जिला एवं विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम प्रबंधक तथा डाटा प्रबंधकों ने भाग लिया।

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मानसिक रोग
• मूत्र संबंधी रोग • मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग
• किडनी संबंधी रोग • पेट संबंधी विकार • थायराइड
• अस्थमा • मोटापा • मांसपेशी का रोग
• मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त